

## पद ६२

(रागः यमन जिल्हा – तालः पंजाबी )

सियां देखी हिया हारक रघुवीर ठैरत ठैरत जद निकसी मधुर मधुर  
पैंजनियां बाजे । राजीवनयना बिजलीसी ॥ध्रु. ॥ मुखकी सोभा  
कोटि ससि सम । नथकी झुमकी सतकबीसी । अधर आरक्त  
प्रवालवल्ली जूँ दंत कुंदकी कलि जैसी ॥१॥ गले हार मोतियनका  
झलके कुच गुच्छ जुगुलपर जो बासी । मनोहर माणिकदास कहे  
सुन जगन्माता जानकि ऐसी ॥२॥